Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding law and order situation in Jharkhand.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका प्रोटेक्शन चाहता हूं, क्योंकि आदिवासियों के सम्मान में आज झारखंड के जितने मेंबर ऑफ पार्लियामेंट और शेड्यूल ट्राइब्स थे, वे सभी आज महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने थे ।...(व्यवधान) जब से यह यूपीए की सरकार आई है, कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार आई है, एक गांव है बुरुगुलिकेड़ा, जहां वैस्ट सिंहभूम में 7 आदिवासियों की नृशंस हत्या कर दी गई ।...(व्यवधान) आज तक उस सरकार ने या कांग्रेस ने उसके बारे में एक शब्द नहीं कहा ।...(व्यवधान) उसके पीछे कारण यह है, मैं आपको बताता हूं कि विकास विरोधी ताकत और जो अफीम पैदा करने वाले लोग थे, उन्होंने वर्ष 2016 से एक पथलगढ़ी मूवमेंट स्टार्ट किया । उन्होंने 11 प्वाइंट का चार्टर दिया । इसके हिसाब से उन्होंने कहा, यह बहुत इंपोर्टेंट है कि इस देश का कोई कानून उस गांव में लागू नहीं होगा । उसके आधार पर वहां की सरकार ने, वहां की पुलिस ने उस वक्त उन लोगों के ऊपर केस किया । लेकिन जब झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की सरकार आ गई, तो उन्होंने नक्सलवाद और आतंकवाद को बढ़ावा देना शुरू कर दिया ।...(व्यवधान) उस केस को खत्म कर दिया ।...(व्यवधान) उस केस का नतीजा यह हुआ कि...(व्यवधान) आदिवासियों की नृशंस हत्या हो गई । ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं कनक्लूड कर रहा हूं ।

माननीय अध्यक्ष : आप कनक्लूड करिए ।

डॉ. निशिकांत दुबे: मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि नक्सलवाद और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस और जेएमएम की सरकार को बर्खास्त करिए ।...(व्यवधान) एक जुडीशियल कमीशन बनाइए और वहां राष्ट्रपति शासन लगाइए ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री एस.सी. उदासी,

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री उदय प्रताप सिंह,

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा,

श्री विष्णु दयाल राम,

श्री बिद्युत बरन महतो और

श्री जयंत सिन्हा को डॉ. निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।